पाठ 2. हार की जीत

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। महान कथाकार सुदर्शन की यह कहानी मानव-दिल को छू लेने वाली है। इसमें कथाकार ने यह बताना चाहा है कि कोई तुम्हारे साथ बुरा करे लेकिन उसके बदले तुम उसका भला चाहो और मानवता के मूल्यों से डिगो नहीं तो बुरे से बुरे इनसान का भी हृदय-परिवर्तन हो जाता है जैसा कि डाकू खड्गसिंह के साथ हुआ।

पाठ का सार

बाबा भारती अपने घोड़े सुलतान से अपने बेटे की तरह प्यार करते थे। सुलतान भी मामूली घोड़ा नहीं था अपितु गुणों की खान था। जो भी उसे देखता उसकी चाल पर लट्टू हो जाता। खड्गसिंह उस इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। खड्गसिंह के कानों तक सुलतान की खबर पहुँची तो वह भी उसे देखने बाबा भारती के पास पहुँचा। खड्गसिंह को सुलतान बहुत अच्छा लगा तथा उसने उसे चुरा लेने की योजना बनाई। एक दिन उसने एक दुखी अपाहिज का भेष बनाया तथा बाबा भारती से सहायता माँगी। जैसे ही बाबा भारती ने उसे सुलतान की पीठ पर बैठाया, वह उन्हें गिराकर सुलतान को ले उड़ा। जाते हुए खड्गसिंह से बाबा भारती ने कहा कि इस घटना का ज़िक्र किसी से न करना वरना लोगों का दीन-दुखियों की सेवा करने से विश्वास उठ जाएगा। सुलतान के चले जाने के बाद बाबा भारती की ज़िंदगी एकदम सूनी हो गई। मगर एक रात अचानक बाबा भारती ने सुलतान को अपने अस्तबल में ही पाया। खड्गसिंह ने सुलतान को वापस अस्तबल में लाकर बाँध दिया था। बाबा भारती सुलतान से लिपटकर रोने लगे।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी का सार बच्चों को बताएँ। आदर्श और अनुकरण वाचन भी करवाया जा सकता है। बीच-बीच में साधुओं व संन्यासियों की जीवन-शैली की चर्चा की जा सकती है। घोड़े की पालतू जानवर के रूप में उपयोगिता की चर्चा विशेष रूप से करें। कहानी में निहित जीवन-मूल्यों की ओर बच्चों का ध्यान आकृष्ट करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - शब्द, पद और पदबंध की परिभाषा देते हुए संज्ञा पदबंध की पहचान का तरीका बताएँ। उसके बाद बच्चों से संबंधित अभ्यास करवाएँ।
  - मुहावरों की परिभाषा देते हुए अभ्यास करवाएँ। मुहावरा और लोकोक्ति में अंतर भी बताया जा सकता है।
  - **प्र**, **अ**, **वि** और **अधि** उपसर्गों से बने शब्द पाठ से ढूँढ़ने को कहें। ध्यान रखें कि किसी-किसी उपसर्ग से बने कई शब्द पाठ में हो सकते हैं। उपसर्गों के जुड़ने से शब्दों के अर्थ/भाव में किस प्रकार का परिवर्तन आ जाता है, इसकी चर्चा अवश्य करें।

क्रियाकलाप के लिए संकेत

- अलग-अलग भागों में हुए नाट्य-रूपांतरण को एक साथ मिला देने से पूरी कहानी का नाट्य-रूपांतरण हो जाता है। इसे विद्यालय में किसी अवसर विशेष पर नाटक के रूप में प्रस्तुत भी किया जा सकता है।
- एफ.आई.आर. और पुलिस स्टेशन के बारे में विस्तार से जानकारी दें। उसके बाद बच्चों को रिपोर्ट तैयार करने को कहें।